

नौकरी की किताब
सत्र 12: पत्नी और दोस्तों की भूमिका
जॉन वाल्टन द्वारा

यह डॉ. जॉन वाल्टन और जॉब की पुस्तक पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 12 है, पत्नी और दोस्तों की भूमिका।

परिचय [00:23-00:42]

आइए कुछ मिनट लें और अय्यूब और उसकी पत्नी के दोस्तों पर नज़र डालें और उनकी भूमिकाओं के बारे में बात करें। निस्संदेह, वे यहां अध्याय दो के अंत में दिखाई देते हैं। और इसलिए, हमें कथानक में उनसे परिचित कराया गया है। आइए देखें कि यह सब कैसे चल रहा है।

व्यक्तिगत भूमिका वाले मित्र [00:42-2:55]

चलिए दोस्तों से शुरू करते हैं। सबसे पहले, हम मित्रों के बारे में व्यक्तिगत रूप से सोच सकते हैं। यदि प्रत्येक की कोई भूमिका न हो तो पुस्तक वास्तव में तीन मित्रों का उपयोग नहीं करेगी। फिर, हमें उनके बारे में व्यक्तिगत प्रोफ़ाइल के रूप में सोचना होगा। पुनः, जैसा कि आपको याद होगा, मैं इसे एक साहित्यिक रचना के रूप में मान रहा हूँ। तो, तीन दोस्त, बहुत जानबूझकर, तीन भूमिकाएँ निभाते हैं। लेखक उनके साथ यही करना चाहता है। इस प्रकार उनके पात्रों का उपयोग किया जाता है। और इसलिए पाठकों के रूप में, हमें उन सभी को एक साथ रखकर उन्हें एक कॉर्पोरेट समूह के रूप में नहीं सोचना चाहिए। बल्कि यह देखने का प्रयास करें कि प्रत्येक व्यक्ति क्या भूमिका निभाता है।

एलीपज़, जब वह अपना स्पष्टीकरण देता है, तो अय्यूब के प्रति उसकी टिप्पणियाँ व्यक्तिगत अनुभवों के महत्व पर केंद्रित होती हैं। हम ऐसे लोगों को जानते हैं। वे हमसे अपने जीवन और अपनी कहानियों के बारे में बात करेंगे और उन्होंने क्या देखा या अनुभव किया या निष्कर्ष निकाला। उनकी बातचीत उन व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित है जो उनके पास हैं।

बिलदाद युगों के ज्ञान के बारे में बात करने के लिए अधिक इच्छुक हैं। वह समूह के बीच दार्शनिक है। आइए सोचें कि लोग हमेशा इन चीजों के बारे में कैसे सोचते हैं। तो चलिए मैं इसे किसी शिक्षित व्यक्ति से आप तक पहुंचाता हूं। यहाँ युगों का ज्ञान है।

ज़ोफ़र सोच की प्रणाली में समझ खोजने के लिए सबसे अधिक इच्छुक है। आइए चीजों को व्यवस्थित करें। यदि हम इसे सही ढंग से व्यवस्थित करें तो हर चीज़ काली और सफ़ेद है। और इसलिए, हमें ये तीन व्यक्तित्व, ये तीन चरित्र मिले हैं: अनुभव, युगों का ज्ञान, और व्यवस्थापन। और इसलिए, उनमें से प्रत्येक की अपनी-अपनी भूमिका है।

एक समूह के रूप में मित्र की भूमिका [2:55-4:30]

साथ ही, निस्संदेह, वे एक समूह के रूप में कार्य कर रहे हैं, साथ ही, कुछ चीजें हैं जो उन सभी में समान हैं। तो, मित्र सामूहिक रूप से प्राचीन विश्व के ऋषियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये आसपास के सबसे बुद्धिमान लोग माने जाते हैं। यदि किसी के पास उत्तर है, यदि कोई स्पष्टीकरण मौजूद है, तो ये लोग हैं; ये विशेषज्ञ हैं। आपको यहीं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ स्थान मिला है, एक, दो और तीन स्थान पर। मैं नहीं जानता कि कौन सा है, लेकिन वे यहां हैं। तो, वे प्राचीन दुनिया में ज्ञान की ऊंचाई प्रस्तुत करने के लिए मौजूद हैं।

लेकिन पुस्तक में, जैसा कि हमने पहले ही उल्लेख किया है, वे विषमताएँ हैं। किताब उन्हें बजा रही है। क्योंकि भले ही उनके पास बुद्धिमानों में सबसे बुद्धिमान होने की प्रतिष्ठा है, अंत में, वे मूर्ख हैं। यह पुस्तक उनके द्वारा पेश किए गए ज्ञान को सतही, अपर्याप्त और कमजोर धारणाओं पर निर्मित त्रुटिपूर्ण तर्क के रूप में खारिज करती है। यहां वे ज्ञान के प्रतिनिधि के रूप में आते हैं, और इसके बजाय, उन्हें गुमराह मूर्ख कहकर खारिज कर दिया जाता है। यह किताब के लिए एक दिलचस्प रणनीति है कि वह दुनिया द्वारा पेश किए गए सर्वश्रेष्ठ को ले ले और उसे ध्यान से देखे और सरसरी तौर पर खारिज कर दे।

चुनौती देने वाले के प्रतिनिधि के रूप में मित्र [4:30-7:28]

मित्र सामूहिक रूप से चैलेंजर के दार्शनिक प्रतिनिधियों की भूमिका निभाते हैं। मुझे वह समझाने दीजिए। याद रखें, चुनौती देने वाले ने कहा है, "क्या अय्यूब बिना कुछ लिए भगवान की सेवा करता

है?" मित्र प्रतिशोध सिद्धांत सोच का प्रतिनिधित्व करते हैं; याद रखें, यहीं वे अपना किला बनाते हैं। इसका मतलब है कि वे प्रतिशोध के सिद्धांत पर काम कर रहे हैं और इसलिए इस धारणा पर काम कर रहे हैं कि लोगों को वही मिलेगा जिसके वे हकदार हैं।

इसलिए, जब अय्यूब कष्ट सहता है, तो वे आसानी से यह निष्कर्ष निकाल लेते हैं कि उसे कष्ट हो रहा होगा क्योंकि उसने कोई बड़ी बुराई की है। वे नहीं जानते कि उसने क्या बुरा काम किया है। वे अपने पूरे भाषणों में बेतरतीब बेतुके अनुमान लगाते हैं, लेकिन उन्हें पता नहीं चलता। उनके पास कोई सबूत नहीं है। उन्होंने इसमें से कुछ भी अपनी आँखों से नहीं देखा है, लेकिन उनका मानना है कि यह सच होगा। और इसलिए वे यह निष्कर्ष निकालते हैं कि अय्यूब के पास निपटने के लिए कुछ गंभीर मुद्दे हैं और उसे ऐसा करने की आवश्यकता है। उन पापों को स्वीकार करें, चाहे वे कुछ भी हों। अपना सामान वापस पाने के लिए जो भी करना पड़े वह करें। दोस्त सब सामान के बारे में हैं। चूँकि चुनौती देने वाले ने कहा था कि यदि अय्यूब अपना सामान खो देता है, तो वह अपनी धार्मिकता छोड़ देगा, हम देख सकते हैं कि मित्र उसी तर्क-वितर्क पर काम कर रहे हैं। वे उन्हें मनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। यह वास्तव में सामान के बारे में है। आपकी प्रतिक्रिया अपना सामान वापस पाने के लिए होनी चाहिए। यदि अय्यूब उन पर विश्वास करता है, यदि अय्यूब उस पंक्ति में प्रतिक्रिया करता है, कि यह वास्तव में सामान के बारे में है, और मुझे बस अपना सामान वापस लाने की आवश्यकता है। इससे पता चलेगा कि चुनौती देने वाला सही था, अय्यूब की धार्मिकता वास्तव में, अंत में, सब कुछ के बारे में है। और इसलिए, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि मित्र, अनजाने में, चैलेंजर द्वारा उठाए गए बिंदु के लिए अनजाने में एजेंडे पर दबाव डाल रहे हैं। क्या यह सामान के बारे में है, या यह धार्मिकता के बारे में है? चैलेंजर को संदेह था कि यह सामान के बारे में था। ऐसा लगता है कि वह इंसानों को बहुत अच्छी तरह से जानता है। दोस्तों ने अय्यूब को चीज़ों के बारे में सोचने में मदद करने की कोशिश की, लेकिन उसे मनाना इतना आसान नहीं था।

दोस्तों के बारे में गलत धारणाएँ [7:28-9:03]

अब, जब हम दोस्तों की इस भूमिका को समझते हैं, तो हम उम्मीद करते हैं कि दोस्तों की भूमिका के बारे में कुछ अन्य गलतफहमियों को दूर कर सकते हैं। मित्रों की भूमिका इतनी नहीं है कि

पाठकों को यह निर्देश दिया जा सके कि सलाह और सांत्वना कैसे नहीं देनी है। कई बार, लोग अय्यूब की किताब में दोस्तों को यह कहकर जवाब देते हैं कि वे कितना कम आराम देते हैं और अय्यूब के साथ सहानुभूति रखने और उसे आराम दिलाने की कोशिश में वे कितने असंतुष्ट हैं। वे उसके प्रति बहुत कठोर हैं। लेकिन इसलिए पाठक को यह नहीं कहना चाहिए, "ठीक है, अब मुझे पता है कि मुझे किसी पीड़ित व्यक्ति को सांत्वना देने की कोशिश कैसे नहीं करनी चाहिए।" मित्र इसीलिए नहीं हैं। वैसे, ऐसा मत करो, लेकिन दोस्त उसके लिए नहीं हैं। वे रोल मॉडल नहीं हैं, उस मामले में, नकारात्मक रोल मॉडल हैं, लेकिन वे किसी भी प्रकार के रोल मॉडल नहीं हैं। वे भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी हैं। वे पुस्तक में एक महत्वपूर्ण साहित्यिक, धार्मिक, दार्शनिक और अलंकारिक भूमिका निभाते हैं। जब हम किताब को समझने की कोशिश कर रहे हैं, तो हमें उनकी भूमिका को समझने की कोशिश करनी चाहिए क्योंकि किताब में उनका उपयोग इसी तरह किया जा रहा है। और इस तरह से शिक्षण उनके उचित स्थान पर पुस्तक से निकलेगा।

अय्यूब की पत्नी की भूमिका [9:03-9:56]

दोस्तों के लिए बहुत कुछ; हम बाद में उनके विशिष्ट भाषणों का विवरण देंगे। आइये अपना ध्यान पत्नी की ओर केन्द्रित करें। अब, जब वह बोलती है, तो अय्यूब को पहले ही काफी कष्ट सहना पड़ा है। वह दोनों चरण हार गया है। उसने अपनी समृद्धि खो दी है। उन्होंने अपना स्वास्थ्य खो दिया है। यह दिलचस्प है कि पत्नी को बातचीत के साथी के रूप में नहीं लाया गया है, जो अपने खोए हुए बच्चों पर रो रही है। वास्तव में उसे वैसा व्यक्तित्व नहीं दिया गया है। फिर, वह एक भूमिका निभाने वाली खिलाड़ी है। दोस्तों की तरह, वह भी जॉब को एक विशेष दिशा में धकेलने की कोशिश करने के लिए चैलेंजर के पक्ष में खड़ी है।

चुनौती देने वाले के लिए त्वरित समाधान के रूप में पत्नी [9:56-10:26]

एक अर्थ में, हम कह सकते हैं कि पत्नी के शब्दों के साथ, "भगवान को शाप दो और मर जाओ," वह चुनौती देने वाले के दृष्टिकोण से त्वरित और आसान समाधान का प्रतिनिधित्व करती है। मेरा मतलब है, यदि अय्यूब को पहले ही कगार पर धकेल दिया गया है, आप जानते हैं, उसने धार्मिकता या ईश्वर के प्रति वफादारी की सारी भावना खो दी है, तो वह उसे किनारे पर धकेल देगी। "भगवान

को श्राप दो और मर जाओ।" और वह कहेगा, "हाँ, यह सब भूल जाओ, इसे छोड़ दो।" तो, यह त्वरित और आसान है।

दोस्त और पत्नी मिलकर एक दूसरे को धक्का दे रहे हैं [10:26-13:37]

मित्र पत्नी के लिए इसी प्रकार का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह सब आपके खोए हुए सामान के बारे में है। दोस्तों, उस सामान को वापस पाने का प्रयास करें। इसलिए, वह वास्तव में दोस्तों के साथ मिलकर और चैलेंजर के साथ मिलकर उस एजेंडे को आगे बढ़ा रही है। यह पता लगाने के लिए कि उसकी धार्मिकता उसके सामान से अधिक महत्वपूर्ण है या नहीं, इसे केवल अय्यूब की अपनी मानसिक कार्यप्रणाली पर नहीं छोड़ा जाएगा। उसे धक्का दिया जा रहा है, उसकी पत्नी द्वारा धक्का दिया जा रहा है, उसके दोस्तों द्वारा धक्का दिया जा रहा है। उसे सुझाव दिया जा रहा है, "भगवान को श्राप दो और मर जाओ।" इसे सामान के बारे में बनाएं, अपना सामान वापस पाने के लिए जो करना है वह करें। तो, यही वह भूमिका है जो वह फिर से निभाती है, न कि वह जीवन साथी जो आपके साथ शोक मनाता है। इसे पुस्तक के लेखक द्वारा महिलाओं पर कोई आलोचनात्मक प्रहार नहीं माना जाता है। इसका उससे कोई लेना देना नहीं है। यह बस उस समय की रणनीति है कि वह कैसे प्रतिक्रिया देगा। बेशक, अय्यूब उसे एक मूर्ख महिला के रूप में जवाब देता है। उनका कहना है कि "क्या हमें ईश्वर से अच्छाई स्वीकार करनी चाहिए, परेशानी नहीं?" फिर से, ईश्वर के बारे में एक बहुत ही सकारात्मक प्रतिक्रिया और हम ईश्वर को जवाबदेह न ठहराने के बारे में कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। और इसलिए, उसकी पत्नी दोस्तों की तरह ही चैलेंजर की उम्मीदों को पूरा करने के साधन के रूप में कार्य करती है। एक बार फिर, चैलेंजर सही साबित होगा यदि जॉब ने अपनी पत्नी की सलाह का पालन किया, जैसे चैलेंजर सही साबित होगा यदि जॉब ने अपने दोस्त की सलाह का पालन किया।

आखिरकार, पत्नी की आलंकारिक भूमिका एकबारगी ही होती है। वह एक बयान देती है। फिर वह तस्वीर से बाहर है। सबसे पहले, यह चैलेंजर की त्वरित जीत से बचाता है। यह आसान नहीं होने वाला है। दूसरा, यह अय्यूब को फिर से अपनी वफ़ादारी व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। न केवल भगवान ने जो दिया है, वह छीन भी सकता है। वह दर्द और बीमारी से ग्रसित हो सकता है।

अय्यूब वफादार रहता है। तीसरा, यह दोस्तों के लिए एक प्रस्तावना और परिवर्तन के रूप में कार्य करता है क्योंकि, निस्संदेह, वह दोस्तों के आने से पहले ही घटनास्थल पर आ जाती है। चौथा, यह उस दिशा के विपरीत समाधान प्रस्तावित करता है जिस दिशा में मित्र जाएंगे। मित्र अय्यूब को बताना चाहते हैं कि नवीनीकृत लाभों के साथ कैसे जीना है। वह उससे कहती है कि जीवन जीने लायक नहीं है और उसे बताती है कि कैसे मरना है। पांचवां, पत्नी और दोस्त दोनों मानते हैं कि समीकरण के लिए लाभ आवश्यक हैं, जो जॉब को उस दिशा में खींच रहा है जिस दिशा में चैलेंजर ने सुझाव दिया है कि वह जाएगा।

चैलेंजर के मित्र और पत्नी अनजाने एजेंट [13:37-14:37]

इसलिए, वे सभी, दोस्त और अय्यूब की पत्नी, चैलेंजर की अपेक्षाओं के लिए अनजाने एजेंट के रूप में काम करते हैं। तो, दृश्य तैयार है। स्वर्ग का दृश्य समाप्त हो गया। संवाद शुरू होने वाले हैं। हम अब सांसारिक क्षेत्र में वापस आ गए हैं जहां हम रहेंगे क्योंकि यहोवा भी जब बोलते हैं, तो बोलने के लिए सांसारिक क्षेत्र में आते हैं। चुनौती देने वाले की आगे कोई भूमिका नहीं होगी। केवल उसके सरोगेट मित्र ही खड़े होते हैं और मामला बनाते हैं। इसलिए उनकी आगे कोई भूमिका नहीं होगी। अब, जब हम अध्याय तीन में अय्यूब के विलाप और संवाद खंड में संवादों की पहली श्रृंखला की ओर बढ़ते हैं तो हम संवाद को प्रकट होने देते हैं।

यह डॉ. जॉन वाल्टन और जॉब की पुस्तक पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 12 है, पत्नी और दोस्तों की भूमिका। [14:37]